No. of Printed Pages : 4

MES-053

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2019

00562

MES-053 : EDUCATIONAL MANAGEMENT, PLANNING AND FINANCE

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Describe educational planning in India specifically highlighting the planning methodology and procedures.

OR

"Everything is not fair in decentralization." Do you agree with this statement ? Justify your answer with appropriate examples.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain different theories of management of education with special reference to their educational implications.

OR

Among the different budgetary techniques, explain the one you would like to introduce in Indian education and why.

3. Answer any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Role of private participation in secondary and higher education

(b) Difference between Social Demand Approach and Rate of Return Approach to educational management

(c) Pre-requisites of a viable budget

(d) Key elements of TQM

(e) Features of PPBS

(f) Features of human relations approach to management

4. Answer the following question in about 600 words :

Explain the concepts of monitoring and evaluation. How can you make monitoring and evaluation more participatory, especially in the context of ODL institutions ?

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

एम.ई.एस.-053 : शैक्षिक प्रबंधन, आयोजन और वित्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : नियोजन विधि और प्रक्रियाओं पर विशेष रूप से बल देते हुए भारत में शैक्षिक आयोजन का वर्णन कीजिए ।

अथवा

"विकेन्द्रीकरण में प्रत्येक वस्तु ठीक नहीं है ।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? उपयुक्त उदाहरणों सहित अपने उत्तर को न्यायोचित ठहराइए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : शैक्षिक निहितार्थों के विशेष सन्दर्भ में शैक्षिक प्रबन्धन के विभिन्न सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

बजट-सम्बन्धी विभिन्न तकनीकों में से आप किसी एक की व्याख्या कीजिए जिसे भारतीय शिक्षा में प्रारंभ करना चाहते हैं और क्यों ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में निजी भागीदारी की भूमिका

(ख) शैक्षिक प्रबन्धन के सामाजिक माँग उपागम (Social Demand Approach सोशल डिमांड अप्रोच) एवं प्रत्यागमन उपागम दर (Rate of Return Approach रेट ऑफ रिटर्न अप्रोच) में अन्तर

(ग) व्यवहार्य (viable) बजट की पूर्वापेक्षाएँ (pre-requisites)

(घ) टी.क्यू.एम. (TQM) के मूलभूत तत्त्व (key elements)

(ङ) पी.पी.बी.एस. (PPBS) की विशिष्टताएँ

(च) प्रबन्धन के मानव-सम्बन्ध उपागम की विशेषताएँ

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

निगरानी (मॉनीटरिंग) एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए । विशेष रूप से ओ.डी.एल. संस्थाओं के सन्दर्भ में आप निगरानी (मॉनीटरिंग) और मूल्यांकन को और अधिक सहभागितापूर्ण किस प्रकार बना सकते हैं ?